मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 166, मुंबई, शुक्रवार, 5 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़

नालासोपारा में 1400 करोड़ की 700 किलो

ड्रग्स जब्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वर्ली यूनिट ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पालघर जिले के नालासोपारा में एक दवा निर्माण इकाई पर छापेमारी के बाद 1400 करोड़ रुपये कीमत का 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेड्रोन जब्त किया है और इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई अपराध शाखा के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने इकाई पर छापेमारी की। उन्होंने कहा, विशिष्ट सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। एएनसी के एक दल ने परिसर में छापेमारी की और उस दौरान वहां प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन बनाए जाने की बात सामने आई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मार्बल के नाम पर ड्रग्स लाने की सूचना क्राइम ब्रांच को मिली थी, ड्रग्स को मार्बल्स के कंटेनर में लाया जा रहा था, सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच ने ड्रग पेडलर को धर दबोचा

इससे पहले नवी मुंबई के क्राइम ब्रांच की टीम ने 15 जुलाई को एक और बड़े रैकेट के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने करोड़ों रुपए के हेरोइन को जब्त किया था। अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में इस हेरोइन की कीमत 362.5 करोड़ आंकी गई थी। ड्रग्स की खेप को लेकर यह कंटेनर दुबई से नवी मुंबई के न्हावाशेवा पोर्ट में लाया गया था।

संजय राउत की बढ़ी कस्टडी

पत्नी को ईडी का समन, आज पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पात्रा चॉल घोटाले में गिरफ्तार किए गए शिवसेना सांसद संजय राउत की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनकी पत्नी वर्षा राऊत को ईडी ने समन जारी किया है। मामले में ईडी वर्षा राऊत से पूछताछ करेगी। शुक्रवार 5 अगस्त सुबह 11 बजे ईडी ने वर्षा राउत को पूछताछ के लिए बुलाया है। वहीं दूसरी तरफ राज्यसभा सांसद संजय राउत की कस्टडी आठ अगस्त तक के लिए बढ़ा दी गई है। ईडी ने स्पेशल कोर्ट से राउत की कस्टडी को बढ़ाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। कोर्ट ने राउत की चार दिन की रिमांड बढ़ा दी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

छापेमारी में महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले

ईडी ने बताया, उन्होंने मंगलवार को मुंबई में दो स्थानों पर छापेमारी में महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। उन्हें पता चला है कि संजय राउतने अलीबाग में 10 जमीनों के लिए विक्रेताओं को तीन करोड़ रुपये नकद में दिए थे। ईडी ने कहा कि एचडीआईएल के पूर्व लेखाकार का भी बयान दर्ज किया गया है। राउत के खाते में पैसे ट्रांसफर करने के अलावा राउत को प्रवीण राउत से बड़ी रकम नकद मिली थी।

क्या महाराष्ट्र में सब ठीक है?

सारा काम छोड़कर दिल्ली पहुंचे फडणवीस, बीमार पड़े शिंदे

मुंबई हलचल / संवाददाता / मुंबई। महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस की सरकार बने तो महीना भर से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन कैबिनेट का विस्तार अब भी दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में अपने-अपने सूत्रों के हिसाब से दावा किया गया कि अब शुक्रवार को महाराष्ट्र की महीनाभर पुरानी सरकार की नई नवेली कैबिनेट का गठन हो जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र एटीएस की बड़ी कामयाबी

टेरर फंडिंग मामले में एक संदिग्ध गिरफ्तार, कस्टडी में भेजा गया

मुंबई। महाराष्ट्र एटीएस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। एटीएस ने टेरर फंडिंग के मामले में परवेज जुबैर नाम के संदिग्ध को गिरफ्तार है। इसकी यूएपीए के तहत गिरफ्तारी की गई। परवेज डी कम्पनी के लिए टेरर फंडिंग करते हुए लगातार अनीस इब्राहिम के सम्पर्क में था और डी कंपनी के लिए टेरर फंडिंग कर रहा था। वहीं, महाराष्ट्र एटीएस ने टेरर फंडिंग के मामले में परवेज जुबैर को 10 अगस्त तक एटीएस कस्टड़ी में भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक परवेज बहुरूपिया बनकर अलग-अलग नामों से डी कम्पनी में जाना जाता था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चीनी आपत्ति

चीनी साम्राज्यवाद वैश्विक राजनीति में लगातार तनाव बढ़ा रहा है। वह जिन इलाकों को कागज पर ही सही, अपना हिस्सा मानता है, उनके प्रति उसकी आक्रामकता सरासर अनुचित है। उसकी अशालीन प्रवृत्ति सिर्फ दावे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसके आगे बढ़कर वह बयान देता है और अपनी हरकतों से नाराजगी दशार्ता है। अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा पर चीन ने जो तनाव पैदा किया है, उसकी प्रशंसा कोई भी लोकतंत्र या अमनपसंद देश नहीं करेगा। चीन अमेरिकी स्पीकर पेलोसी के ताइवान दौरे को अगर चुनौती के रूप में देख रहा है, तो उस तक संदेश साफ शब्दों में पहुंचना चाहिए। पेलोसी की यात्रा के जरिये अमेरिका ने चीन को ताइवान के मुद्दे पर ललकारकर एक तरह से ठीक ही किया है। ताइवान का स्वतंत्र वजूद नया नहीं है। वह एक संप्रभु राष्ट्र है, लेकिन चीनी साम्यवादी सत्ता ने अपने उत्थान के दिनों में जो आक्रामक सपने संजोए थे, उन्हें साकार कर लेना चाहता है। यह एक तरह से दुनिया में बढ़ती चीनी ताकत का दुष्परिणाम है। वह रणनीति के तहत ऐसे तनाव पैदा कर रहा है कि आसानी से उसका साम्राज्यवादी सपना साकार हो जाए। नैन्सी पेलोसी ताइवान से दक्षिण कोरिया के लिए निकल चुकी हैं। खास यह है कि पहले चीन ने ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश की थी कि अमेरिकी नेता ताइवान आने से परहेज करें। चीन ने एक तरह से सीधे सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दे डाली थी। हालांकि, अमेरिका ने भी उचित ही न झुकने का इरादा स्पष्ट कर दिया है। आज बडे.व आक्रामक देशों के पड़ोस में स्थित छोटे देशों की संप्रभुता की रक्षा जरूरी है। कायदे से चीन को ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए, लेकिन उसने रणनीति के तहत केवल रूस से लगती अपनी सीमा का समाधान किया है। भारत सहित बाकी देशों के साथ वह सीमा विवाद को जारी रखे हुए है। यह अब स्पष्ट है कि रूस हर तरह से चीन के साथ है। कहीं न कहीं रूसी नेता पुतिन की योजना भी साम्राज्यवादी है और इसलिए वह यूक्रेन से युद्ध लड़ रहे हैं। यह भारत के लिए चिंता की बात है। ताकतवर देश अगर इस तरह से पड़ोसी देशों या उनकी जमीन पर दावा करने लगेंगे, तो यह गलत प्रवृत्ति भविष्य में क्या रूप लेगी? एक भी उदार या छोटा देश सलामत नहीं रह सकेगा। राष्ट्रीयता, परंपरा, इतिहास की उपेक्षा करके केवल भूखंड के लिए चल रही यह लड़ाई कहां पहुंचकर रुकेगी? अफसोस कि ख्वाब से उपजे दावों की इस गलत परिपाटी का कोई इलाज संयुक्त राष्ट्र के पास भी नहीं है। संयुक्त राष्ट्र नव-साम्राज्यवाद के समक्ष नाकाम है। उससे ज्यादा उम्मीद भी नहीं की जा सकती। रूस-यूक्रेन मामले में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका हम देख ही चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूस और चीन, दोनों ही देशों की मंजूरी जरूरी है। दोनों अगर मिल जाएं, तो संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों को निष्प्रभावी बना सकते हैं। ऐसे में, ताइवान का भविष्य क्या होगा? क्या चीन सैन्य कार्रवाई करेगा? क्या अफगानिस्तान से हाल ही में भागा अमेरिका ताइवान में अपनी सेना उतारेगा? अब चीन ने ताइवान के भयादोहन के लिए कहा है कि वह ताइवान के पास युद्धाभ्यास करेगा। हालांकि, ताइवान ने भी पूरी मजबूती का परिचय दिया है। अगर दुनिया ताइवान के साथ खड़ी नहीं होगी, तो यकीन मानिए, दुनिया मध्ययुग की तरह ही कब्जे की लड़ाई में लग जाएगी। जो देश आज चुप रह जाएंगे, उन्हें शायद भविष्य में कोई न कोई कीमत चुकानी पड़ेगी।

अमृत वर्ष में संसद का हाल

उसकी पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई। अमृत वर्ष के संसद सत्र में यह भी देखने को मिला को समूचा सत्ता पक्ष विपक्ष की एक नेता के इस्तीफे की मांग पर हंगामा कर रहा था। दोनों सदनों में केंद्रीय मंत्री चीख रहे थे और विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष का इस्तीफा मांग रहे थे। यह भी अद्भुत दृश्य था। सोचें, जब संसद में बहस नहीं होगी, किसी विधेयक पर चर्चा नहीं होगी, संसदीय समितियों को बिल नहीं भेजे जाएंगे, विपक्ष की कोई बात नहीं सुनी चाहिए, बल्कि विरोध करने पर उनको निलंबित कर दिया जाएगा, शब्दों को नियंत्रित किया जाएगा और धरने-प्रदर्शन रोके जाएंगे तो संसद चाहे कैसी भी फैंसी इमारत में चली जाए रहेगी तो वह बिना आत्मा के ही!

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और इस बात की पूरी कोशिश हो रही है कि अमृत वर्ष में संसद का कम से कम एक सत्र नए भवन में आयोजित हो। इसके लिए नए भवन के निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ करके एक विशाल अशोक स्तंभ नए भवन के शीर्ष पर प्रतिष्ठित कर दिया गया है। संभव है कि संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में हो। कोरोना महामारी के दौरान नए संसद भवन की जरूरत और उसके निर्माण पर होने वाले खर्च को लेकर कई अहम सवाल उठे थे। सवाल जायज थे फिर भी इस तर्क से इसे न्यायसंगत माना जा सकता है कि सरकार ने अंग्रेजों के बनाए संसद भवन से निकल कर आजाद भारत में बने संसद भवन में अमृत वर्ष मनाने की सोच में इसका निर्माण कराया है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि यह आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत का प्रतीक होगा। फिर भी सवाल है कि क्या अंग्रेजों की बनाई संसद की इमारत से निकलने के साथ साथ भारत ब्रिटिश मॉडल से ली गई संसदीय राजनीति की आत्मा को भी छोड़ देगा?

भारत में संसदीय प्रणाली ब्रिटेन के वेस्टमिनिस्टर मॉडल पर अपनाई गई, जिसमें राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा मिल कर संसद का निर्माण करते हैं। संविधान में शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत अपनाया गया, जिसमें विधायिका यानी संसद और विधानसभाओं को कानून बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही संविधान के जरिए कानून निर्माण की एक प्रक्रिया तय की गई, जिन्हें कायदे से संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक परंपराओं के जरिए समय के साथ मजबूत होना चाहिए था। परंतु अफसोस की बात है कि भारत में समय के साथ कानून निर्माण की प्रक्रिया बेहतर होने की बजाय बदतर होती गई। विधायिका के ऊपर कार्यपालिका हावी हो गई और संसद का काम सरकार की ओर से बनाए गए कानूनों को मंजूरी देने भर का रह गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि संसद अपनी तरफ से किसी कानून की न तो जरूरत बता सकती है और न कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। सत्र के दौरान हफ्ते में एक दिन प्राइवेट मेंबर बिल लाने का होता है। हर हफ्ते शुक्रवार को कोई भी सांसद देश और समाज की जरूरत को समझते हुए कोई बिल पेश कर सकता है। यह भी दुर्भाग्य है कि बिल चाहे कितना भी अच्छा और जरूरी हो, आज तक भारतीय संसद ने संभवतः किसी प्राइवेट मेंबर बिल को मंजूरी नहीं दी है।

बहरहाल, आजादी के अमृत वर्ष में नए संसद भवन में संसदीय कार्यवाही शुरू होने से पहले आखिरी सत्र पुरानी संसद में चल रहा है। यह पुराने संसद भवन में विदाई सत्र है। इसके बाद कोई बैठक इस ऐतिहासिक संसद भवन में नहीं होगी। वैसे तो भारत में पहला संसदीय चुनाव 1952 में हुआ था लेकिन उससे पहले संविधान सभा की बैठकें इसी संसद भवन में हुई थीं। अगर संविधान सभाओं में हुई बहसों से शुरू करके अभी चल रहे विदाई सत्र तक की तुलना करें तो हैरानी भी होगी और दुख भी होगा कि भारत की संसदीय प्रणाली कहां से शुरू हुई और कहां पहुंची है! संविधान सभा में संविधान के एक एक अनुच्छेद और उसके अनुबंधों व उप अनुबंधों को लेकर लंबी लंबी बहसें हुईं। आजादी की लड़ाई से निकले तपे-तपाए कुछ राजनेता अपनी विद्वता से तो कुछ सिर्फ अपने अनुभव और जमीनी समझ के आधार पर बहसों में शामिल हुए और एक बेहतरीन संविधान और शासन की संसदीय प्रणाली तैयार की। बहस और संवाद की जिस परंपरा के साथ इस संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली की शुरूआत हुई थी आज वहीं नदारद है। आज संसद में संवाद और बहस की परंपरा विलुप्त हो गई है। कोई भी कानून बनाने से पहले बहस नहीं होती है। यहां तक कि कानून की बारीकियों पर कोई विचार नहीं किया जाता है, यह बात सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है। सरकार के अधिकारी कानून का मसौदा बनाते हैं, जिस पर संसद की मुहर लग जाती है। सत्तापक्ष में सिर्फ मूर्तियां बैठाई जा रही हैं, जिनका काम सरकार के हर अच्छे-बुरे विधेयक को पक्ष में हाथ उठाना होता है। एकाध अपवादों को छोड़ दें तो आजाद भारत में इसकी मिसाल नहीं है कि सत्तापक्ष के किसी सांसद ने सरकार के लाए विधेयक का विरोध किया हो। संसद में व्हिप की ऐसी व्यवस्था लागू है कि कोई भी सांसद अपनी इच्छा से वोटिंग नहीं कर सकता है। सरकारी पक्ष के सांसद को बोलना नहीं है और विपक्ष के सांसद को बोलने नहीं दिया जा रहा है। उसे सरकार के प्रचंड बहुमत का दम दिखा कर चुप करा दिया जा रहा है।

सो, कुल मिला कर देश की संसद अमृत वर्ष आते आते बदतर स्थिति में आ चुकी है। सरकार के एजेंडे से संसद चल रही है। संसदीय समितियों को निष्क्रिय कर दिया गया है। विधेयक संसदीय समितियों को विचार के लिए नहीं भेजे जा रहे हैं। पिछले कई बरसों से कोई संयुक्त संसदीय समिति नहीं बनी है और न कोई संयुक्त प्रवर समिति बनी है। संसद की सबसे महत्वपूर्ण समिति लोक लेखा समिति होती है, जो देश के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यानी कैग की रिपोर्ट पर विचार करती है पर अब कैग की रिपोर्ट्स की संख्या पहले से एक चौथाई रह गई है। उन पर भी विचार करते हुए सत्तापक्ष के सांसद अपने बहुमत के दम पर सरकार के पक्ष का फैसला करवाते हैं या समिति की रिपोर्ट रूकवा देते हैं। पेश होने से चंद मिनट या चंद घंटे पहले विधेयक सामने आ रहे हैं और मिनटों में उन्हें पास कराया जा रहा है। देश की व्यापक आबादी पर असर डालने वाले विधायक भी बिना विचार-विमर्श के पेश किए जा रहे हैं। विवादित विधेयकों को पास कराने के लिए विपक्ष को मार्शल के जरिए सदन से निकालवा देने या निलंबित कर देने की नए परंपरा शुरू हो गई है।

संसद में प्रतिरोध को प्रतीकित करने वाले शब्दों को असंसदीय बनाया जा रहा है तो संसद परिसर में धरना-प्रदर्शन देने पर पाबंदी लगाई जा रही है। संसद के मॉनसून सत्र में दोनों सदनों से निलंबित सांसद 50 घंटे तक संसद परिसर में धरने पर बैठे रहे लेकिन दोनों सदनों के प्रमुखों से लेकर सरकार के संसदीय कार्य मंत्री तक किसी न उनसे बात करने की जरूरत नहीं समझी। उसकी पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई। अमृत वर्ष के संसद सत्र में यह भी देखने को मिला को समूचा सत्ता पक्ष विपक्ष की एक नेता के इस्तीफे की मांग पर हंगामा कर रहा था। दोनों सदनों में केंद्रीय मंत्री चीख रहे थे और विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष का इस्तीफा मांग रहे थे। यह भी अद्भुत दृश्य था। सोचें, जब संसद में बहस नहीं होगी, किसी विधेयक पर चर्चा नहीं होगी, संसदीय समितियों को बिल नहीं भेजे जाएंगे, विपक्ष की कोई बात नहीं सुनी चाहिए, बल्कि विरोध करने पर उनको निलंबित कर दिया जाएगा, शब्दों को नियंत्रित किया जाएगा और धरने-प्रदर्शन रोके जाएंगे तो संसद चाहे कैसी भी फैंसी इमारत में चली जाए रहेगी तो वह बिना आत्मा के ही!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

पांच अपराधिक मामले में फरार चेन स्नैचिंग करने वाले

आरोपी को कलवा पुलिस द्वारा शाहपुर तालुका से किया गया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

कलवा। कलवा शहर में लगातार चेन स्नेचिंग की वारदातें थमने का नाम ही नहीं ले रही इस पर अंकुश लगाने के लिए कलवा पुलिस द्वारा जी तोड़ मेहनत की जा रही है ताकि किसी भी तरह चेन स्नैचिंग से कलवा शहर की जनता को राहत मिल सके कलवा पुलिस द्वारा शाहपुर तालुका से एक चेन स्नेचर को गिरफ्तार करने का मामला प्रकाश में आया है इस पूरे मामले मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस उपायुक्त अविनाश अंबुरे द्वारा पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कलवा शहर में चैन स्नैचिंग की वारदात बढ़ती जा रही थी उसको देखते हुए हम लोगों ने चैन स्नैचर पर अंकुश लगाने की कोशिश करते हुए एक व्यक्ति को खबरी की निशानदेही पर शाहपुर तालुका से गिरफ्तार किया गया इस आरोपी के विरुद्ध में कलवा पुलिस स्टेशन में गु: रजि:नं:339/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 392, 34 के मामले दर्ज होने के कारण गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम हैदर जब्बार जाफरी वर्ष 32 रहवासी वेदांत पार्क

रूम नंबर 1 स्वामी विवेकानंद नगर वासिंद तालुका शाहपुर जिला ठाणे का बताया जा रहा है और यह आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कथित पूछताछ के दौरान कलवा पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि पांच चैन स्नैचिंग के मामले का खुलासा हुआ जिसको अंजाम यह आरोपी द्वारा कलवा शहर में दिया गया था और यह आरोपी के पास से 56 ग्राम सोने के आभूषण पुलिस द्वारा बरामद किए गए हैं जिसकी बाजार में कुल कीमत 2,60,000/- हजार रुपए बताई जा रही है अविनाश अंबुरे द्वारा बताया गया यह आरोपी हैदर जब्बार जाफरी के ऊपर अनगिनत मामले विभिन्न पुलिस स्टेशन में दर्ज है कलवा पुलिस द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद 6 अगस्त शनिवार तक पुलिस हिरासत में रखने के निर्देश दिए हैं अब पुलिस द्वारा यह छानबीन करने की कोशिश की जा रही है कि इस अपराध में कौन-कौन इसका भागीदार है और चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देते वक्त कौन सी मोटरसाइकिल का इन चैन स्नैचर द्वारा उपयोग किया जाता था इन तमाम सवालों के जवाब पुलिस द्वारा आरोपी से पूछे जाएंगे यह कार्रवाई मां अपर पुलिस आयुक्त प्रदेशिक विभाग श्री पंजाबराव उगले, मां पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक अविनाश अंबुरे, सहायक पुलिस आयुक्त कलवा विभाग श्री विलास शिंदे, इनके मार्गदर्शन में कलवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोहर अवार्ड, पुलिस उप निरीक्षक दिपक घुगे, पुलिस निरीक्षक गुनाह सुदेश अजगांवकर, पुलिस हवलदार शाहजी ऐडके, पुलिस हवलदार रमेश पाटिल, पुलिस नाइक टी ए सैयद, पुलिस नाईक श्रीमंत राठौड़, पुलिस नाइक अमोल ढावरे, पुलिस कांस्टेबल प्रशांत सूर्यवंशी, महिला पुलिस कांस्टेबल शोभा हांडे द्वारा यह अहम भूमिका निभाई गई है क्योंकि कलवा पुलिस के पास किसी प्रकार की आरोपी की कोई भी जानकारी नहीं होते हुए भी सीसीटीवी कैमरे के आधार पर गुप्त सूचना के आधार पर यह आरोपी जिसने कलवा पुलिस की नाक में दम कर रखा था वह कलवा पुलिस के हत्थे चढ़ गया यह तमाम लोगों ने मिलकर यह कार्रवाई को अंजाम दिया इस मामले में आगे की छानबीन पीएसआई दिपक घूगे द्वारा की जा रही है।

बीएमसी चुनाव में पुराना फॉर्मेट, 9 प्रभाग रद्द

बीजेपी ने बिगाड़ा शिवसेना का समीकरण!

मुंबई। राज्य में सत्ता बदलते ही शिवसेना के लिए मुंबई महानगर पालिका में भी समीकरण बदलने लगे हैं। एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे सरकार में हुई बीएमसी चुनाव के लिए प्रभागों की संख्या में बढ़ोतरी को रद्द कर दिया। अब प्रभागों की संख्या 236 से घटकर 227 हो गई है। इसे शिवसेना के लिए बड़ा झटका मना जा रहा है, क्योंकि जो 9 प्रभाग मुंबई में बढ़े थे, उनमें चुनावी समीकरण शिवसेना के पक्ष में था। सरकार के फैसले से बीजेपी और कांग्रेस खुश हैं। बीएमसी में पूर्व नेता विपक्ष रवि राजा ने कहा कि पुराना परिसीमन पक्षपात करते हुए किया गया था। उन्होंने प्रभागों की रचना 227 रखने के लिए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री की तारीफ की है। इस संबंध में मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना प्रवक्ता किशोरी पेडणेकर ने संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन वह उपलब्ध नहीं थीं। उद्धव सरकार ने जनसंख्या वृद्धि का हवाला देते हुए मुंबई शहर, पश्चिम उपनगर और पूर्वी उपनगर में 3-3 प्रभाग बढ़ा दिए थे। बीजेपी ने शिवसेना पर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रभाग

बढ़ाने का आरोप लगाया था। शिवसेना के साथ सत्ता में साझेदार रही कांग्रेस ने भी परिसीमन और आरक्षण लॉटरी पर गंभीर आरोप लगाए थे। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है।

फिर से वही स्थिति

मनपा का 2017 का चुनाव 227 सीटों पर हुआ था। उस दौरान राज्य में देवेंद्र फडणवीस की सरकार थी। तब शिवसेना और कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बीजेपी ने 45 वॉर्ड में अपनी सुविधा के हिसाब से परिसीमन किया है। 2017 में बीएमसी चुनाव बीजेपी-शिवसेना ने अलग-अलग लड़ा था। चुनाव में बीजेपी को 82 और शिवसेना को 84 सीटें मिली थीं। बीजेपी के प्रभाकर शिंदे ने कहा कि 236 प्रभागों के लिए हुए परिसीमन में बीजेपी नेताओं को टारगेट किया गया था। एक-एक प्रभाग की सीमा 4-5 किलोमीटर लंबी कर दी गई थी। कई प्रभाग तो रेलवे लाइन के दोनों तरफ नियम के खिलाफ थे। बीएमसी में सत्ताधारी रही शिवसेना के तत्कालीन स्थायी समिति अध्यक्ष रहे यशवंत जाधव ने एक प्रस्ताव रखा था, जिसके मुताबिक प्रभागों का आरक्षण हर 10 साल में किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया था कि प्रभाग का आरक्षण 5 साल में बदलने से हर बार नए नगरसेवक चुनकर आते हैं। उन्हें बीएमसी के कामकाज की जब तक जानकारी मिलती है, कार्यकाल खत्म हो जाता है। इससे विकास कार्यों पर असर पड़ता है। जाधव के प्रस्ताव का कांग्रेस, बीजेपी एवं सपा सहित एनसीपी ने भी समर्थन किया था। 236 प्रभाग बनने के बाद 31 मई 2022 को बिना ओबीसी आरक्षण के लॉटरी निकाली गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़

अधिकारी ने कहा, मुंबई से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक व्यक्ति को नालासोपारा में पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि यह हाल के दिनों में शहर की पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी भी कहा जाता है। यह राष्ट्रीय स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। इससे पहले नवी मुंबई के क्राइम ब्रांच की टीम ने 15 जुलाई को एक और बड़े रैकेट के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने करोड़ों रुपए के हेरोइन को जब्त किया था। अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में इस हेरोइन की कीमत 362.5 करोड़ आंकी गई थी। ड्रग्स की खेप को लेकर यह कंटेनर दुबई से नवी मुंबई के न्हावाशेवा पोर्ट में लाया गया था। क्राइम ब्रांच को इस बात की गुप्त जानकारी मिल गई थी कि यह कंटेनर नवकार लॉजिस्टिक्स के पनवेल के पास आजिवली गांव का है। क्राइम ब्रांच की टीम ने यह खुलासा किया था कि जो हेरोइन की खेप बरामद हुई वो एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट के नेटवर्क के सप्लाई चेन का एक हिस्सा है। इस पूरे रैकेट के नेटवर्क से ना सिर्फ देश के कई इलाकों में लोग जुड़े हैं बल्कि यह रैकेट दुनिया के अन्य देशों में भी फैला हुआ है। मार्बल के नाम पर ड्रग्स लाने की टिप मिलते ही क्राइम ब्रांच हरकत में आई। पहले मार्बल्स को कंटेनर से उतारा गया। फिर कंटेनर के दरवाजे के फ्रेम पर बारीकी से देखने पर फ्रेम में ड्रग्स छुपाए जाने का शक हुआ। इसके बाद कटर मशीन की सहायता से कंटेनर के दरवाजे के फ्रेम को काटा गया ड्रग्स की एक बड़ी खेप बरामद हुई।

संजय राउत की बढ़ी कस्टडी

बता दें, ईडी ने मुंबई की एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में 31 जुलाई की रात संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी ने संजय राउत को 1 अगस्त को स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया था और 8 दिन की हिरासत की मांग की थी। हालांकि जज ने बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कहा था कि आठ दिनों की लंबी हिरासत की जरूरत नहीं है। मेरी राय है कि अगर आरोपी को चार अगस्त तक हिरासत में भेजा जाता है तो यह मकसद के लिहाज से पर्याप्त होगा।

क्या महाराष्ट्र में सब ठीक है?

हालांकि इसके एक दिन पहले ही महाराष्ट्र सरकार का पहला चक्का यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खराब तबीयत का हवाला देते हुए गुरुवार की सारी मुलाकाता का प्रोग्राम रद्द कर दिया। वहीं दूसरा चक्का यानी देवेंद्र फडणवीस भी अपना सारा काम छोड़ कर दिल्ली रवाना हो गए हैं। राजनीति के जानकारों की मानें तो फडणवीस मंत्रियों की लिस्ट पर बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व की मुहर लगवाने दिल्ली आए हैं। वैसे भी सूबे के बीजेपी नेता पशोपेश में हैं कि पहली कैबिनेट में किसका पलड़ा भारी रहेगा और किस-किस को मंत्री बनाया जाएगा। वहीं ये ही पशोपेश शिंदे गुट के शिवसैनिकों में भी है। कौन मंत्री बनेगा और किसके हाथ कितनी ताकत लगेगी ये चिंता भी शिंदे धड़े के नेताओं में है। शिंदे सरकार पर अब दबाव बढ़ रहा है, क्योंकि 1 महीने से भी ज्यादा का समय हो चुका है और अभी तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हो पाया है। 30 जून को शिंदे और फडणवीस ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। तब से ले के आज तक ये दो मंत्री ही कैबिनेट मीटिंग करते हैं और निर्णय ले रहे हैं। राज्य में जुलाई के महीने में जो बाढ़ आई थी उसके नियोजन और लोगों को सहायता देने के लिए, यही दोनों मंत्री ही भाग रहे थे, क्योंकि कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है और उसी वजह से मंत्री भी नहीं चुने गए हैं।

महाराष्ट्र एटीएस की बड़ी कामयाबी

एटीएस के मुताबिक वो लंबे समय से फरार था और सेंट्रल एजेंसी से मिली स्पेसिफिक इनपुट के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। इधर बंबई हाई कोर्ट ने 2015 में हुई सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद पानसरे की हत्या मामले की जांच सीआईडी से लेकर महाराष्ट्र एटीएस को सौंपी है। इससे पहले महाराष्ट्र के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि अगर जांच आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) को सौंपी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। एक विशेष टीम द्वारा जांच किए जाने के अनुरोध को लेकर पानसरे के परिवार के सदस्यों द्वारा दायर एक याचिका पर उच्च न्यायालय की ओर से आदेश पारित किये जाने के बाद 2015 में सीआईडी के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। पानसरे की फरवरी 2015 में महाराष्ट्र के कोल्हापुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पानसरे के परिजनों ने सोमवार को होई कोर्ट को बताया कि एसआईटी ने पिछले सात वर्षों में मामले में कोई प्रगति नहीं की है। उन्होंने मामले को एटीएस को सौंपने का अनुरोध किया था।

शीहाब पहुंचे उदयपुर मुस्लिम महासंघ ने किया इस्तकबाल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि केरल के मन्नापुरम क्षेत्र से पैदल हज यात्रा पर निकले 29 वर्षीय शीहाब चित्तूर उदयपुर चुके है। 8640 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर वे 2023 में हज में शामिल होंगे। जैसे जैसे वो अपने कदम आगे बढ़ा रहे है एक बड़ा कारवां उनके साथ चलने लगता है। गुजरात में उनके इस सफर का लोगों ने जगह जगह इस्तकबाल किया। शीहाब अब राजस्थान उदयपुर की सीमाओं में में एंटर हो चुके है। सुबह उन्होंने अपना सफर से बलीचा होटल से शुरू किया। सुबह 9:00 बजे वे आर टी ओ ऑफिस तिराहे पहुँचे। उनके इस्तकबाल के लिए कई गाड़ियों काफिला भी उनके साथ हो चला है। शीहाब रोजाना 25 से 30 किमी का सफर तय कर रहे हैं। उदयपुर आर टी ओ ऑफिस तिराहे पर मुस्लिम महासंघ संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्श,राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दीकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी शफी इंजी, हाजी शफी मैके, प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान,संभाग अध्यक्ष तौकीर रजा, इब्राहिम खेरादि, शादाब खान, जे डी खान, समाज सेवी इरफान मुल्तानी आदि हजारो मुस्लिम समुदाय के महिलाओं की भारी मौजूदगी में उनका इस्तकबाल किया। एव मुस्लिम महासंघ के निवेदन पर प्रशासन ने बहुत अच्छे से व्यवस्था की इसके लिये जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन विभाग का शुक्रिया अदा करते है। शीहाब का सपना था कि वो पैदल हज करें और इस सपने को पूरा जून माह में इस सफर की शुरूआत कर दी। ये सफर उनका करीब साल भर का रहेगा। वे पाकिस्तान, ईरान, इराक, कुवैत होते हुए मक्का शरीफ पहुँचेंगे।

बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति आयोजित करवाएगी विश्व का सबसे बड़ा कवि सम्मेलन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। बुलंदी साहित्यिक संस्था आगामी 21 अगस्त से 2 सितम्बर तक वर्च्युअल कवि सम्मेलन के माध्यम से काव्य का महोत्सव आयोजित करवा रहे है, जिसमे हिन्दुस्तान सहित नेपाल, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, जर्मनी, अमेरिका, मॉरीशस, दुबई, सऊदी, कतर, अफगानिस्तान, भूटान, केलिफोर्निया, सिंगापुर, थाईलैंड तंजानिया, रशिया, बेल्जियम, इथोपिया, ओमान, तिब्बत सहित दुनिया के 25 देशों से ज्यादा हिंदी कलमकारों ने इस कविता के महायज्ञ में उपस्थित होने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। समस्त कलमकार अपनी कविताओं का काव्य पाठ आनलाइन माध्यम से करेंगे। जिसका प्रसारण बुलंदी के यूट्यूब

चैनल सहित आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका, कनाडा के स्थानीय चैनलों पर भी होगा। यह कार्यक्रम 300 घण्टे तक लगातार अनवरत चलेगा और इस रिकॉर्ड को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज.किया जाएगा। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार बादल बाजपुरी जी से हुई वार्ता के अनुसार उन्होंने बताया कि उनका जीवन साहित्य को समर्पित हैं। वो पिछले दस वर्षों से साहित्य जगत में युवा वर्ग से बाजपुर, उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे है और इस वर्ल्ड रिकॉर्ड कवि सम्मेलन के लिये सम्पूर्ण साहित्य जगत से बुलंदी संस्था की प्रशंसा भी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनको भारत के सभी कलमकारों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।मीडिया प्रभारी ने बताया कि पिछले वर्ष भी बुलंदी संस्था ने वर्च्युअल कवि सम्मेलन सफल आयोजित करवा के साहित्य जगत में बड़ा नाम कमाया था पिछले वर्ष यह कवि सम्मेलन बुलंदी संस्था ने 207 घण्टे चलाया था जिसे इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज भी किया गया था।अब बुलन्दी संस्था अपना ही रिकॉर्ड स्वंय तोड़ेगी। बुलन्दी संस्था की युवा टीम इस आयोजन के लिए पिछले वर्ष से भी ज्यादा ऊजार्वान होकर इस आयोजन के लिए तैयार है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राजभवन में होगा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट की आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के अंदर बेटियों के विकास के प्रति समर्पित सामाजिक संस्था बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं काशियाना फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधन में आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मान कार्यक्रम राज भवन स्थित सभागार में आयोजित होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य महाराष्ट्र प्रदेश से 21 समाजसेवियों को सम्मानित एवं नशामुक्त भारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ अजय एल दुबे तथा काशियाना फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित अंकुर सिंह ने बुधवार को राजभवन जाकर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया।

ज्ञातव्य हो कि दोनों संस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रही हैं। अभी पिछले महीने में काशियाना फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के सविधान क्लब में राष्ट्रीयव्यापी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसके मुख्यातिथि विजय गोयल मनोज तिवारी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम जाजू ने किया था। इस कार्यक्रम की रूप रेखा श्याम जाजू (पूर्व, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा) के सानिध्य में होगा।

भाजपा नेता राहुल प्रधान का जन्म दिन धूमधाम से मनाया गया, कईयों ने दी बधाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भाजपा नेता गाज़ियाबाद निवासी भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राहुल प्रधान का जन्मदिन केक काटकर हर्षोल्लास के साथ अपने परिवार की मौजूदगी में धूमधाम से मनाया गया। प्रधान द्वारा अपने जन्मदिन की फोटो सोशल मीडिया पर डालते ही समर्थकों द्वारा बधाई देने का सिलसिला जारी हो गया। बधाई देने वाले सभी लोगों ने प्रधान के लंबी उम्र एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। भाजपा नेता श्री प्रधान द्वारा बधाई देने वाले सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया गया और कहा गया कि आप लोग अपना प्यार और आशीर्वाद मेरे और मेरे परिवार के प्रति सदैव ऐसे ही है बनायी रखे। इस अवसर पर न्यूज परिवार भी राहुल प्रधान को जन्मदिन की बधाई देते हुए उसकी लंबी उम्र एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

डाबला में 151 पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा क्षेत्र की डाबला पंचायत में गुरुवार को सरपंच प्रद्युम्न सिंह के सानिध्य में मिशन 'ग्रीन एंड क्लीन पंचायत हमारी' के कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। छापरी तालाब की पाल तथा डाबला-घरटा मार्ग पर 151 छायादार पौधों का पौधारोपण कर ट्री गार्ड लगा सुरक्षित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भैरु लाल सुथार नायब तहसीलदार बनेड़ा रहे। स्थानीय पंचायत के पटवारी राम सिंह, अमित चौधरी, जयप्रदीप सिंह, दीपक जोशी, महिपाल सिंह, रामराज व्यास, लेकिश पंडित, ओमप्रकाश जांगिड़, सांवर लाल जाट आदि ग्राम वासी मौजूद थे। सरपंच प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि वो अपनी पंचायत में इस वर्ष कम से कम 1500 पौधे मय ट्री गार्ड लगाने का लक्ष्य रखा है। एवं उनको पानी पिलाने के लिए ड्रीप सिस्टम भी किया जाएगा। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

बाल पोषण माह का शुभारंभ करती ज़िलां मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. तरन्नुम रजा

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। जनपद संभल के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और चिकित्सकों द्वारा जनपद संभल की ज़िला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरन्नुम रजा का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया स्वागत समारोह के बाद डॉ. तरन्नुम रजा के द्वारा ब्लॉक बनिया खेड़ा के अंतर्गत आटा उपकेन्द्र पर बाल स्वास्थ्य पोषण केंद्र का फीता काट कर एवम उपस्थित बच्चों के लिए विटामिन ए की खुराक पिलाकर शुभारंभ किया गया सी एम ओ द्वारा अपने सम्बोधन में लोगों से कहा गया पोषण माह में नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए विटामिन ए की खुराक जरूर पिलाएं। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. तरन्नुम रजा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.कुलदीप कुमार उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.विश्वास अग्रवाल ज़िला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर नरौली चिकित्साधिकारी डॉ.मुकेश पाल आदि मौजूद रहे।

सामयिक परिवेश उत्तरप्रदेश अध्याय के तत्वधान में आजादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सामयिक परिवेश उत्तर प्रदेश अध्याय के तत्वधान में एक विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें देश के लगभग 35 रचनाकारों ने जो भिन्न भिन्न प्रदेश से आमंत्रित थे उनके द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामयिक परिवेश अध्याय की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता मेहरोत्रा जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार कवि अशोक गोयल रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से की गई।

मां सरस्वती की वंदना कवि सुशील पाठक ने बहुत सुंदर रूप में प्रस्तुत।सामयिक परिवेश अध्याय की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता मेहरोत्रा जी ने कहा कि आज मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि कवि अशोक गोयल जी के प्रयास से आज आजादी का अमृत महोत्सव सभी रचनाकारों को साथ लेकर जो मनाया जा रहा हैं बहुत ही काबिले तारीफ है आज बहुत शॉर्ट नोटिस पर इस कार्यक्रम की घोषणा की गई और कार्यक्रम को मूर्त रूप दिया गया इसके लिए सभी रचनाकार बधाई के पात्र हैं आजादी का अमृत महोत्सव हमारे अन्य सभी राज्यों में मनाया जाएगा। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार कवि अशोक गोयल ने बताया कि आजादी हमको ऐसे ही नही मिली लाखों कुर्बानियों के बाद यह समय हमको देखने को मिला आजादी का अमृत महोत्सव संपूर्ण देश में हमारी सभी राज्यों की इकाइयां जोश, हर्ष और उल्लास के साथ मनाएंगी। आजादी के अमृत महोत्सव में आज लगभग 35 से ज्यादा रचनाकारों ने भिन्न भिन्न प्रदेशों से भाग लेकर अपने को बहुत ही सौभाग्यशाली माना। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कल्पना भदोरिया लखनऊ ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा यह भी बताया गया कि शीघ्र ही देश की राजधानी दिल्ली में और गुजरात में सामयिक परिवेश द्वारा विराट कार्यक्रम आयोजित होने वाले हैं। गौरतलब है कि हाल ही में सामयिक परिवेश अध्याय द्वारा तीन दिवसीय विराट कार्यक्रम पटना में आयोजित कर देश के अनेक साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि छगनलाल मुथा, कवि ओम प्रकाश श्रीवास्तव, कवयित्री राधा दुबे, कवि सुशील पाठक, कवयित्री बीना गोयल उत्तर प्रदेश,कवि कवि गुरुदीन वर्मा, राम निवास तिवारी, कवयित्री कल्पना भदोरिया, कवि ईश्वर चंद जी,कवि रामकुमार, कवयित्री रेखा, कवयित्री कविता रानी, गोंडा से प्रभात राजपूत, कवि त्रिलोक फतेहपुरी, कवयित्री डॉ अन्नपूर्णा मालवीय, कवि नागनाथ कर्नाटक से, कवि रामकेश यादव, कवि अशोक साहू, कवयित्री डॉ ऋचा, कवयित्री मधु आदि के अतिरिक्त अनेक रचनाकार व गणमान्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आगंतुक सभी कवियों का आभार कवि ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शाहपुरा में त्यौहारों को लेकर सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा पुलिस चोकी कस्बा शाहपुरा में गुरुवार को शांति व सीएलजी समिति की बैठक आयोजित हुई। उपखंड अधिकारी सुनीता यादव, डीवाईएसपी करण सिंह, तहसीलदार नारायण लाल जीनगर, थाना अधिकारी घनश्याम सिंह देवड़ा, नगरपालिका के कनिष्ठ अभियंता कुलदीप जैन की मौजूदगी में बैठक में आने वाले दिनों में सामाजिक त्योहारों को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने के लिए आपसी सामंजस्य के साथ मनाने का आव्हान किया गया। सदस्यों से विचार विमर्श के दौरान मोहर्रम, रक्षाबंधन, तीज, स्वतंत्रता दिवस सहित त्यौहारों के बारे में आने वाली समस्याओं का मोके पर समाधान कराने का आश्वासन दिया गया। पूर्व प्रतिपक्ष मोहन गुर्जर पार्षद स्वराज सिंह, पूर्व सरपंच विमल झंवर, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक हनुमान धाकड़, हाजी उस्मान छिपा, हाजी इकबाल भाटी, पार्षद हमीद खान आरटीआई कार्यकर्ता निखिल जीनगर पूर्व भाजपा नेता गोपाल घुघर सामाजिक कार्यकर्ता चांद मोहम्मद आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय प्रांगण के पंचतंत्र भवन में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान, अनुसूचित जाति उप योजना के तहत समस्तीपुर जिला के बिक्रमपुर बांदे एवं रहीमपुर रुदौली के 74 महिलाओं एवं एक पुरुष के लिए तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आरंभ किया गया। जिसका मंच संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. सुधा नंदिनी के द्वारा किया गया। इस मौके पर उपस्थित परियोजना के डॉ. दयाराम ने अतिथियों को स्वागत किए एवं उन्होंने मशरूम उत्पादन के बढ़ावे में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रबंधन केअहम योगदान की विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निर्देशक अनुसंधान डॉ. पी एस ब्रह्मानंद प्रशिक्षुओं को मशरूम की खेती कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने सहित मशरूम उत्पादन में तापमान के महत्त्व की जानकारी दी। प्रशिक्षु को दूधिया मशरूम की जानकारी दी तथा यह भी कहा कि बिहार पहले 13 वें स्थान पर था जो आज प्रथम स्थान पर है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ग्वालियर में देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं पर अविश्वास

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मामला एकदम स्थानीय है, लेकिन सत्तारूढ़ दल के आंतरिक भय को रेखांकित करता है। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले ग्वालियर शहर में स्थानीय निकाय के चुनाव में पराजय का सामना कर चुकी भाजपा अपने नव निर्वाचित कार्यकताओं को बंधक बनाकर हरियाणा के एक रिसार्ट में रखे हुए है। महापौर का पद गंवाने के बाद सभापति के चुनाव में भी कहीं हार न हो जाये इसलिए भाजपा अपने पार्षदों को ग्वालियर से ले उडी.भाजपा को दरअसल अपने पार्षदों के बिकने का खतरा है। ग्वालियर अतीत में जनसंघ और भाजपा का गढ़ रहा है। ग्वालियर के जयविलास पैलेस और रानी महल से इन संगठनों को हर तरह का संरक्षण मिलता रहा है,यही वजह है की ग्वालियर में बीते 57 साल से स्थानीय निकाय पर भाजपा का कब्जा बना हुआ था। लेकिन इस बार भाजपा का ये अभेद्य दुर्ग ध्वस्त हो गया। विधायकों की खरीद-फरोख्त में सिद्धहस्त भाजपा को ग्वालियर में अपने नव निर्वाचित पार्षदों के बिकने का खतरा है। कांग्रेस के विधायक सतीश सिकरवार अपनी नव निर्वाचित महापौर पत्नी डॉ शोभा सिकरवार की राह आसान बनाने के लिए सभापति का चुनाव भी जीतना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने भाजपा पार्षद दल में सेंध लगा दी है। ग्वालियर की 66 सदस्यीय नगर निगम में ग्वालियर नगर निगम चुनाव में महापौर भले ही कांग्रेस की प्रत्याशी बनी हो, लेकिन भाजपा के पास सबसे ज्यादा 34 पार्षद है। कांग्रेस के पास 25 और एक पार्षद बसपा के है। इसके अलावा 6 निर्दलीय पार्षद भी हैं। एक निर्दलीय हाल ही में कांग्रेस में शामिल हो गया है। इसी वजह से सभापति को लेकर कांग्रेस के दावे से घबराई भाजपा ने अपने पार्षदों को एक वीडियो कोच में बैठकर ग्वालियर से हरियाणा भेज दिया है। खबर है कि दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ग्वालियर सांसद विवेक शेजवलकर भाजपा पार्षद दल की बैठक लेंगे। इसी दौरान पार्षद दल के नेता और सभापति के चुनाव के लिए नाम का भी चयन किया जाएगा। देश की राजनीति से कांग्रेस को नेस्तनाबूद करने का दावा करने वाली भाजपा कि लिए ग्वालियर में पहली बार मुश्किलें खड़ी हुईं हैं। ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

और ज्योतिरादित्य सिंधिया कि अलावा भाजपा कि प्रदेशाध्यक्ष की मौजूदगी कि बावजूद महापौर पद पर पराजय ने भाजपा पार्षदों निराश कर दिया है। पार्षद तो अपने बूते जीत गए लेकिन महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा नेताओं कि भरोसे थीं, वे चुनाव हार गयीं। अब सत्ता में अपना हिस्सा पाने कि लिए भाजपा कि पार्षद बिकने को तैयार हैं। भाजपा निर्दलीय पार्षदों के भरोसे सभापति का पद हथियाना चाहती है किन्तु कांग्रेस ने भी निर्दलीयों पर दांव लगा रखा है। भाजपा कि लिए अब सभापति पद प्रतिष्ठा का प्रश्न है क्योंकि यदि निगम में भाजपा का सभापति नहीं चुना जाता तो भाजपा कि लिए कांग्रेस की महापौर को काबू में रख पाना कठिन हो जाएगा। सभापति पद पर कभजो करने कि लिए कांग्रेस विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार कि साथ उनकी पूरी पार्टी एकजुट है। खबर है कि कांग्रेस ने निर्दलीय पार्षदों को मुंह मांगी कीमत देने का वायदा किया है। कांग्रेस ने भाजपा कि ही कुछ पार्षदों को समर्थन देने कि एवज में सभापति देने का प्रस्ताव रखा है। पार्षददल में टूट-फूट की आशंका से घिरी भाजपा को हारकर सभी को ग्वालियर से हटाना पड़ा। नवनिर्वाचित पार्षदों में तमाम महिला पार्षद भी हैं। पार्टी को इस वजह से पार्षद पतियों को भी साथ रखना पड़ रहा है। आपको याद होगा कीसत्ता कि जोड़तोड़ कि लिए रिसोर्ट पालटिक्स पिछले आठ साल से देश में चल रही है। लेकिन ये तरीका केवल विधायकों पर ही इस्तेमाल किया जाता है, पहली बार स्थानीय निकाय चुनावों कि साथ ही पंचायत अध्यक्ष कि चुनाव में इस तरीके का इस्तेमाल किया गया है, खासतौर पर मध्यप्रदेश में। जाहिर है कि जनादेश खरीदने कि बावजूद प्रदेश में भाजपा की जड़ें खोखली हो रही हैं, यदि ऐसा न होता तो भाजपा को पार्षदों तक को एकजुट रखने कि लिए रिसॉर्ट पालटिक्स का सहारा न लेना पड़ता। ग्वालियर में कोई चार दशक पहले जब महापौर का चुनाव पार्षद करते थे तब भी इसी तरह की विषम स्थिति का सामना करना पड़ा था। उस समय विपक्ष ने एक पत्रकार को महापौर का प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतार दिया था। भाजपा कि 9 पार्षद असंतुष्ट थे । उन्हें क्रास वोटिंग से रोकने कि लिए पार्टी कार्यालय में बंधक बनाकर रखना पड़ा था। बहरहाल भाजपा की जबरदस्त किरकिरी हो रही है इस बार। ग्वालियर से अपने परिवार का ढाई शताब्दी का रिश्ता बताने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्थानीय निकाय चुनाव में अपना जादू दिखने में नाकाम रहे। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की बंद मुठ्ठी भी खुल गयी। वे ग्वालियर कि साथ ही अपने गृह जिले मुरैना में भी अपनी पार्टी कि महापौर प्रत्याशी को नहीं जीता पाए। दो साल पहले कांग्रेस की सरकार गिराने कि बाद हुए उप चुनाव में भी भाजपा ग्वालियर जिले में दो सीटें खो चुकी है। डबरा और ग्वालियर पूर्व सीट कांग्रेस ने भाजपा से छीन ली थी। भाजपा को मजबूत बनाने कि लिए प्रदेश मंत्रिमंडल में सिंधिया कि दो समार्थक ग्वालियर जिले से लये गए, दो को निगम-मंडलों में नामजद किया गया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। कांग्रेस लगातार मजबूत होती जा रही है। भाजपा की वर्तमान दशा को देखकर पार्टी का नेतृत्व चिंतित है। इसी चिंता कि चलते रिसार्ट पालटिक्स अब स्थानीय स्तर पर इस्तेमाल की जा रही है। 5 जुलाई को इस रिसार्ट पालटिक्स के नतीजे सामने आ जायेंगे। तब तक पार्षद अघोषित तौर पर नजरबंद हैं और रहेंगे। पार्टी के देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं के साथ ऐसा व्यवहार देखकर पुराने कार्यकर्ता भी दुखी हैं, लेकिन कुछ बोल नहीं सकते। पार्टी अनुशासन का मामला जो है।

(जैसा स्वतंत्र लेखक राकेश अचल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया)

कानपुर में सिख दंगाः जेल के लिए एसआईटी को अभी 54 और लोगों की तलाश

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां सन 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए दंग में की गई 127 लोगों की हत्या में यहां अब तक 19 आरोपियों को गिरफ्तार का जेल भेजा जा चुका है, जबकि 54 लोगों की तलाश लगातार जारी है। कुल मिलाकर सिख विरोधी दंगे की जांच में गठित एसआईटी गिरफ्तारी के अपने अभियान में लगातार जुटी हुई है। अवगत कराते चलें कि 31 अक्तूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए दंगों में शहर में 127 सिखों की हत्या कर दी गई थी। डीआईजी बालेंदु भूषण की अगुवाई में आजकल इसकी जांच एसआईटी कर रही है। आरोपियों की जारी गिरफ्तारी के क्रम में हाल में दी यहां किदवई नगर में हुए डबल मर्डर के तीन आरोपियों राजन लाल पांडेय, दीपक व धीरेंद्र कुमार तिवारी तथा चार घटनाओं के मुख्य आरोपी रहे बी ब्लॉक दबौली निवासी पूर्व पार्षद कैलाश पाल (70) को गिरफ्तार कर जेल की हवा खिलाई जा चुकी है। फिलहाल सिख दंगों के मामले में एसआईटी की जांच में 12 मामलों में 96 आरोपियों को चिह्नित किया गया है, जिनमें 73 की गिरफ्तारी होनी है। इनमें से 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शेष 54 आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही है। अधिकारियों के मुताबिक शेष बचे आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा इसके प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं।

जीवन में परमात्मा की भक्ति करने से बुद्धि, बल, ओज प्राप्त होता हैं: विदुषी श्रुति सेतिया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर भक्ति क्यों करें' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 426 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि परमात्मा की भक्ति करने से बुद्धि, बल, तेज व पराक्रम की प्राप्ति होती है क्योंकि जो जिसकी भक्ति करेगा वैसे ही गुण उसके जीवन में आयेंगे। उन्होंने कहा कि प्रश्न उत्पन्न होता है कि हम परमात्मा की भक्ति क्यों करें? हम जड़ पदार्थों अथवा अल्प मनुष्यों की भक्ति क्यों ना करें? ईश्वर भक्ति से हमें क्या लाभ हो सकते हैं? यह प्रश्न वास्तव में बड़ा विचारणीय तथा गंभीर है। जो जिसका चिंतन करता है वह उसी के रंग में रंग जाता है,जो जिसका अधिक ध्यान करता है वह उसी का स्वभाव ग्रहण करता जाता हैं। यदि हम मनुष्यों की भक्ति करते हैं तो इसमें संदेह नहीं कि हम में उन उपास्य देवताओं के गुण आवेंगे, क्योंकि मनुष्य सारे के सारे ही अल्प ज्ञानी होते हैं, उनमें कमजोरियां होती है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि मनुष्यों की पूजा और भक्ति करने से जहां हम उनके गुणों को ग्रहण करते हैं वहां अवगुण भी हम में आ जाते हैं। जड़ पदार्थों की पूजा करने से मनुष्य के अंदर सूक्ष्म विचारों का नाश हो जाता है, क्योंकि वह जड़ की न्यायी जड़ बन जाता हैं।

पूजा के लिए आवश्यकता है एक महाशक्ति की, भक्ति के लिए आवश्यकता हैं एक सर्व व्यापक सर्व शक्तिमान,पाप नाशक शक्ति के भंडार परमात्मा की, भक्ति के लिए आवश्यकता है एक सुध बुध मुक्त स्वभाव सच्चिदानंद की।वेद भगवान कहते हैं कि परमात्मा शुक्र अर्थात आनंद हैं, वह घावों -आदि क्लेश से रहित है, दुख का नाशक है, सुख का दाता है, वह निराकार है, वह नस- नाड़ियों के बंधन से मुक्त है, उसकी कोई मूर्ति नहीं, वह शुद्ध पवित्र है, पाप रहित हैं। वेद भगवान कहते हैं कि ऐसे ही परमात्मा की भक्ति और पूजा करके मनुष्य का जीवन सफल हो सकता हैं अन्यथा नहीं। हम उस सर्वशक्तिमान की पूजा करते हैं व हृदय से पूजा करते हैं। प्रेम से भक्ति करते हैं और उसी के कारण हमारी आत्मा बलवान होती जाती हैं और पुष्ट होती जाती है। वेद भगवान कहते हैं- य आत्मदा बलदा 'यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्यदेवाः' जड़ पदार्थों की पूजा से आत्मा को कदापि बल प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि ईश्वररीय नियम है कि जहां जीवन होता है वहां से ही दूसरों को जीवन मिला करता है,जहां शक्ति होती है वहीं से दूसरों को शक्ति मिला करती है। जड़ पदार्थों में जब जीवन ही नहीं है तो उनकी पूजा करके एक चेतन आत्मा कैसे जीवन पा सकता है? उसको क्या बल या ढाढस मिल सकता है? कुछ भी नहीं। इसलिए वेद भगवान कहते हैं कि भक्ति के योग्य केवल एक परमात्मा ही हैं। अज्ञानी लोग अज्ञान वश जड़ पदार्थों की पूजा करते हैं।यदि हम परमात्मा की भक्ति करते हैं तो हम में जीवन आता है, उत्साह आता है,तेज आता है, बल और पराक्रम आता है, क्योंकि यह एक साधारण बात है कि जितना हम अल्प वस्तुओं की भक्ति करेंगे उतना ही हमारे विचार, हमारा जीवन, हमारा तेज, हमारा बल भी अल्प होगा। परंतु जहां तक एक महान और प्रभावशाली जीवन के आधार, आत्मा के आधार, सर्व शक्तिमान,तेजोमय परमात्मा की पूजा करेंगे उतने ही हम महान होते जाएंगे। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने आर्याभिविनय पुस्तक की रचना ही ईश्वर के प्रति भाव रखने वाले भक्तों, उपासकों व साधकों के लिए ईश्वर की स्तुति और प्रार्थना की आवश्यकता की पूर्ति के लिए की है। जब हम ईश्वर की स्तुति करते हैं तो हमारे गुण, कर्म व स्वभाव में सुधार होता है। ऐसा होने से हमारी स्थिति से पूर्व जो दुर्गुण दुर्व्यसन और दुःख होते हैं उनमें स्तुति के प्रभाव से स्वतः सुधार होता जाता है।अध्यक्षता कर रही अंजु आहूजा (चंडीगढ़) ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने निराकार सर्वशक्तिमान परमात्मा की उपासना करने पर बल दिया हैककेन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए एक ईश्वर की स्तुति वा उपासना करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि हम सी सी कैमरे की तरह उसकी निगरानी में रहते हैं। गायिका कुसुम भंडारी, प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना, कमला हंस, रचना वर्मा, विजय वधावन, ईश्वर देवी, कृष्णा पाहुजा, आशा आर्या, प्रतिभा कटारिया, रेखा गौतम आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बालों के बार-बार उलझने से हैं परेशान? तो आजमाएं ये Tricks

बालों के बार-बार उलझने से कई महिलाओं को दिक्कत रहती है, खासतौर जिन महिलाओं के बाल लंबे हो। बालों के उलझने से हेयर फॉल की समस्या तो होती है साथ ही उनकी चमक और ग्रेस भी खत्म हो जाती है। अगर आपके बाल भी हर समय उलझे-उलझे रहते हैं तो परेशान ना हो क्योंकि आज हम आपकी इस उलझन का कारण व समाधान बताएंगे।

बाल उलझने के कारण

नमी कम होना है वजह

नमी ना होने के कारण बाल रूखे हो जाते हैं और बार-बार उलझने लगते हैं। बाल रूखे होते हैं तो उनका बॉन्ड ज्यादा कमजोर हो जाता है, जिससे कई बार उलझने और टूटने लगते हैं। बालों में नमी कम होने की सबसे बड़ी वजह होती है हाइड्रेशन लेवल कम होना। ऐसा न हो इसके लिए पानी खूब पीना चाहिए और मॉइश्चराइजर युक्त शैंपू से बालों को धोएं।

ठीक से बालों में कंघी न करना

बालों में कंघी करना एक तरह की एक्सरसाइज होती है। ऐसे में अगर सही से बालों में कंघी ना की जाए तो वह दिनभर उलझे रहते हैं। साथ ही अगर आप गीले बालों में कंघी करती हैं तो भी वह उलझे रहते हैं। गीले बालों को उंगलियों के सहारे आराम से सुलझाना चाहिए और बाल सूखने के बाद ही उन्हें बांधे। इसके अलावा बालों को दिन में कम से कम 2 बाल कंघी से सुलझाएं।

बालों का पतला होना

कुछ महिलाओं के बाल हद से ज्यादा पतले होते हैं, जिसके कारण वह उलझने और टूटने भी लग जाते हैं। अगर बाल पतले होते हैं तो सबसे पहले उन्हें खुला रखना बंद करें। आप चाहे तो बालों में पोनीटेल या मैसी बर्न भी बना सकती हैं।

बालों में तौलिया बांधना

कई महिलाओं के आदत होती है कि बालों को धोने के बाद वह उसे तौलिए से बांध देती हैं। वहीं कुछ महिलाएं तौलिए से बालों को झटक कर सुखती हैं लेकिन इससे भी बाल उलझ जाते हैं और कमजोर भी हो जाते हैं। बेहतर होगा आप बालों को तौलिए में ना बांधे और उसे आराम से सुखाएं।

अल्कोहल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

अगर आप चाहती हैं कि बाल बार-बार ना उलझे तो अल्कोहल युक्त हेयर केयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करने से भी बचें।

उलझे बालों को सुलझाने के टिप्स

हेयर मास्क लगाएं

अगर आप उलझे बालों को सुलझाना चाहती हैं तो 1/2 कप दूध में 2 चम्मच शहद और 1 केला (मैश किया हुआ) मिक्स करके लगाएं। आधा घंटा बाद बालों को शैंपू से साफ कर लें। हफ्ते में 2 बार इस पेस्ट का इस्तेमाल करें। इससे बाल उलझेंगे भी नहीं और वो स्मूद व शाइनी भी होंगे।

हॉट आयल चंपी

नारियल का तेल, ऑलिव आयल और बादाम के तेल को मिलाकर उसे गुनगुना गर्म कर लें। अब इसे स्कैल्प की मसाज करें। हेयर मसाज के 1 घंटे के बाद या अगले दिन बालों को मॉश्चरराइजर युक्त शैंपू व ताजे पानी से धोएं।

केमोमाएल से धोएं बाल

उलझे बालों की समस्या से निजात पाने के लिए केमोमाएल से सिर धोएं। इसके लिए 1 चम्मच सूखे हुए केमोमाएल फूल और 2 कप पानी को 1/2 घंटे तक उबाले और फिर उसमें सेब साइडर सिरका मिलाएं। इसके बाद इसे बालों में कुछ देर लगाकर ताजे पानी से हेयर वॉश कर लें। इसके बाद बालों में कंडीशनर लगाना ना भूलें।

रोजाना बाल धोने से बचे

हफ्ते मे सिर्फ 2-3 बार ही बालों को धोएं। रोजाना शैम्पू करने से सिर की त्वचा मे उपस्थित तेल की मात्रा बहुत कम हो जाती हैं, जिससे स्पैल्प में नमी खत्म हो जाती है और बाल बार-बार उलझने लगते हैं।

ड्रायर का कम करें इस्तेमाल

ड्रायर का ज्यादा इस्तेमाल भी बालों को रूखा व बेजान बना देता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप इसका कम से कम इस्तेमला करें।

हेयर सीरम लगाए

इससे बाल मुलायम, चमकदार, और सुलझे हुए रहते हैं। बेहतर परिणाम के लिए सीरम को गीले बालों पर लगाएं। यह बालों को प्रदूषण और धूल-मिट्टी से बचाता है, जिससे वह रूखे नहीं होते।

कीवी से पाएं ग्लोइंग स्किन, जाने ये 5 ब्यूटी सीक्रेट्स

हर लड़की खूबसूरत और कोमल स्किन पाना चाहती है लेकिन बढ़ते प्रदूषण की वजह से त्वचा संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। त्वचा को सुंदर बनाने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं जिनका असर ज्यादा देर नही रहता। आपको बता दें कि चेहरे की खूबसूरती के लिए ब्यूटी प्रोडक्ट्स के मुकाबले पोषक तत्व ज्यादा असरदार होते है इसलिए आप अपनी डाइट में अच्छे आहार को जरूर शामिल करें। कीवी भी एक ऐसा फल है जिसका सेवन कर के आप अपनी त्वचा को खूबसूरत बना सकतीं हैं।

त्वचा को बनाए जवां

कीवी खाने में खटास भरा है लेकिन स्किन के लिए भी उतना ही फायदेमंद फल है। कहा जाता है कि स्किन से उम्र का पता लगाया जा सकता है। आपनी स्किन खूबसूरत और चमकदार बनाने के लिए रोजाना 1 कीवी का सेवन जरूर करें। इससे आप हमेंशा जवां दिखेंगी।

स्किन को करे रिपेयर

कीवी में भरपूर विटामिन-ई पाया जाता है जो स्किन को रिपेयर करने का काम करता है। इसके अलावा कीवी में फाइबर भी होता है जिससे स्किन में चमक आती है।

टॉक्सिंस को निकाले बाहर

इसका सेवन करने से शरीर से टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं और साथ ही स्किन हेल्दी बनती है। रोजाना एक या दो कीवी खाने से डाइजेस्टिव सिस्टम मजबूत बनता है।

स्किन को बनाए सॉफ्ट

बढ़ती उम्र के साथ-साथ त्वचा की चमक भी कम होने लगती है। कीवी में मौजूद विटामिन-सी स्किन में कोलेजन प्रोड्यूस करता है जो स्किन को सॉफ्ट और खूबसूरत बनाए रखने में मदद करता है। कीवी को आप मसाज करने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे काफी फायदा मिलेगा।

मुंहासे करे दूर

कीवी का सेवन करने से मुंहासे दूर होते क्योंकी इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं जो त्वचा संबंधी कई बीमारियों को दूर रखने का काम करता है।

शुगर चेक करते लड़की से हुई ये गलती, लापरवाही से गई जान

लोग छोटी- छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अगर हम आपको कहें कि किसी की छोटी सी गलती की वजह से जान भी जा सकती हैं तो आप क्या कहेंगे। जी हां, बात हैं इंग्लैंड में रहने वाली टीनेज लड़की की, जिसका नाम रोजी था। रोजी की मौत डॉक्टर को दिखाने के कुछ घंटो बाद हो गई। रोजी डायबिटीज की मरीज थी और शुगर लेवल बढ़ने के कारण बच्ची की जान चली गई। ब्लड मॉनीटर मशीन के खराब होने की वजह से और डॉक्टर की लापरवाही की वजह से बच्ची की हालत अचानक खराब हो गई जिसकी वजह से उसे जिंदगी से हाथ धोना पड़ा।

रोजी जब स्कूल से घर आई, तो उसे कमर में बहुत दर्द हो रहा था। ब्लड ग्लूकोज रीडिंग से जांच की गई तो शुगर लेवल (8.3 mmol/L) निकला जो ठीक था। जब रोजी को डॉक्टर के पास ले जाया गया तो रोजी के पेरेंट्स ने डॉक्टर को ब्लड ग्लूकोज रीडिंग की बात कही। ये सुनकर डॉक्टर को लगा कि शायद कान में इंफेक्शन की वजह से यह परेशानी हो रही है, इसलिए डॉक्टर ने दवाई देकर उसे रोजी को घर भेज दिया, हालांकि रोजी हाइपरवेंटिलेटिंग (तेजी से सांस चलना) से जूझ रही थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...कैटरीना कैफ ने भरी हामी

बॉलीवुड की डीवा कटरीना कैफ एक बार फिर चर्चा का विषय बन गयी हैं। एक्ट्रेस ने अभी हाल में बॉलीवुड के सुपरस्टार स्टार विक्की कौशल के साथ शादी रचाई हैं। वही अभी सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनने वाला शो कॉफी विथ करण खूब सुर्खियां बटोर हैं। शो में कई सेलिब्रिटी अभी तक आ चुके हैं।शो के जरिये उनके कई कंट्रोवर्सी और राज भी सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब शो के होस्ट करण जौहर कटरीना कैफ को भी शो में भी बुलाना चाहते हैं। और अब खबरे ये भी सामने आ रही कटरीना ने शो में आने के लिए हामी भी भर दी हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने ऐनी से पहले कई शर्ते भी रखी हैं। दरअसल करण जौहर एक बार फिर अपने लोकप्रिय चैट शो, कॉफी विद करण के सातवें सीजन के साथ लौट आए हैं। सातवें सीजन में अब तक प्रसारित हुए एपिसोड्स में कई सेलेब्स आ चुके हैं। और अब फाइनली कैटरीना कैफ करण जौहर के चैट शो में आने के लिए मान गई है। करण को लगता है कि उन्हें ना कहना नामुमकिन है। लेकिन कैटरीना के करीबी लोगों को लगता है कि वह शो में आने के लिए इसलिए तैयार हुई हैं क्योंकि नवंबर में उनकी हॉरर कॉमेडी फोन भूत रिलीज होने वाली है। वही करीबी सूत्र ने बताया कि, करण जौहर चाहते थे कि कैटरीना अपने पति विकी कौशल के साथ कॉफी विद करण 7 में आए। हालांकि, कैटरीना इस शर्त पर सहमत हुईं कि वह अपने फोन भूत के सह-कलाकारों ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी को करण के शो में लाएँ। वही कटरीना के इस शर्त को देखते हुए करण जौहर को ना कहते हुए भी राजी होना पड़ा लेकिन फिल्म पर ज्यादा बातचीत नहीं की।

अपनी ही एक्स गर्लफ्रेंड की फिल्म के रीमेक में नजर आएंगे सलमान

बॉलीवुड में दिनों रीमेक फिल्मों का चलन काफी ज्यादा प्रचलित हो गया है। साउथ और हॉलीवुड फिल्मों के रिमेक के साथ-साथ अब बॉलीवुड फिल्मों के रीमेक बनाने की तैयारियां भी शुरू हो गई है। सलमान खान और अक्षय कुमार बॉलीवुड इंडस्ट्री के दो ऐसे स्टार्स ने हैं, जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा रीमेक्स में काम किया है। अब बी-टाउन के भाईजान सलमान खान जल्द ही एक और रीमेक फिल्म से जुड़ने वाले हैं। हालांकि इस बार ये साउथ की नहीं बल्कि बॉलीवुड की ही फिल्म होगी। खबरों के मुताबिक, साल 1989 में आई फिल्म 'त्रिदेव' का जल्द ही रीमेक बनने वाला है। त्रिदेव में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, नसीरुद्दीन शाह और दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थी। वहीं फिल्म के रीमेक के लिए मेकर्स ने सलमान खान को अप्रोच किया है। फिलहाल सलमान त्रिदेव के निर्देशक राजीव राय से इसके रीमेक को लेकर बातचीत कर रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि सलमान खान को ये कांसेप्ट काफी पसंद आया है। आने वाले दिनों में मेकर्स सलमान खान के साथ-साथ बाकी स्टारकास्ट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर सकते हैं। हालांकि अभी त्रिदेव के रीमेक के लिए किसी और स्टार का नाम सामने नहीं आया है, मेकर्स बाकि स्टार कास्ट की तलाश कर रहे हैं।

देसी गर्ल ने खुद को लेकर किया मजेदार खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ऐसी एक्ट्रेस है जिन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री से हॉलीवुड तक अपनी सफलता का परचम लहराया है। प्रियंका चोपड़ा फिलहाल अमेरिका में अपने पति निक जोनस के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी को खूब इंजॉय कर रही है। प्रियंका चोपड़ा समय समय पर निक जोनस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती है, जिसे फैंस भी काफी पसंद करते है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी एक ऐसी आदत का खुलासा किया जिसकी वजह से उनके पति उनसे काफी परेशान है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इंडस्ट्री के पावर कपल में से एक है। दोनों को जब भी साथ में देखा जाता है ,तब यह दोनों एक दूसरे के प्यार में डूबे नजर आते है। निक जितना प्रियंका से प्यार करते है, उसे देखकर यह तो नहीं लगता है कि उन्हें प्रियंका के बारे में कोई चीज पसंद नहीं होगी, लेकिन हाल ही में प्रियंका ने अपनी एक ऐसी आदत का खुलासा किया, जिसने निक की नाक में दम करके रखा है। प्रियंका अपने पति को चिढ़ाने का एक भी मौका नहीं छोड़ती है। पूरी दुनिया में एक खास पहचान बना चुकी प्रियंका चोपड़ा ने अपने बारे में एक ऐसा खुलासा किया जो उनके फैंस को अब तक हजम नहीं हो रहा है। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि वो अपने पति निक जोनस का सामान चुराती है।